

## Topic 32

अनुभवों

आदि

कातिपय

सं

ा

म

ा

म

ा

धार्तु है।

"अनुभवों"

देखा देखा देखा संख्या ।

१५, अनुभव, आसु एवं आम् द्यादि विद्वा,  
अनुभवके, अनुभवों, अनुभवित, अनुभवाम्।  
आपत, अपेत, अनुभवीद्वा, विभाषितः -

अनुभवीद्वम्, अनुभवीद्वम्, अनुभवा।

आपेद्वम्, अनुभवम्, अनुभवा। द्युत  
दीपो, द्युतान्,

द्युतिस्वाप्तीः संपुसारणम् ।

अनुभासस्य । द्युति ।

द्युति और सूप के अन्यास  
के थ, व, र और ल के स्थान पर क्रमशः  
इ, इ, म् और लु आदेश होते हैं। ३६। ८२।  
लेर लिट लकार के प्रथमपुरुष सूप  
में 'द्युति' वाकुसे 'त' प्रथम अद्विद्वाकरु  
द्युति द्युति रा' सूप बनने पर प्रकृत

सूति से अन्यास पूर्वती 'द्युति' के अकार  
के स्थान पर उकार रा। सूप बनने पर

प्रकृति सूति से अन्यास द्वितीय 'द्युति' के  
अकार के स्थान पर उकार दीकर द इ इ इ

रा 'द्युति रा' = दीकर द्युति रा। सूप कीरा।

द्युति स्पीति में उकार का द्वितीय अनुभव

उकार का लोप करने पर, द्युति,  
सूप कीरा होता है।

दयुद्यामी लुडिंग

ਚੁਨਾ ਦਿੜੀ ਲੁਡਾ : ਪਰਖਮੈਫ਼ਦ ਵਾ ਏਗਾਤ /  
ਕੁਝਾ॥੬ - ੦ ਇਤਪੁਟ - ਅਧੂਤਾ / ਅਧੀਗਤੀਵਾ /  
ਅਧੀਸਿਲਾਰ / ਏਵਾ ਰੋਜਾ / ਹੋਰੀ / ਜੀਵਿਦਾ ਏਨੈਂਡੈ /  
ਜੀਵਿਦਾ ਏਨੈਂਡਸੀਅਨਪੀ : , ਜੋਹਨਪੀਅਰੈਲੈਕੈ /  
ਜੀਖਵਦਾ ਨੈਲੈਕੈ / ਕਿਥੇ ਹੀਜ਼ਵਿਮ੍ਬੀਨੈ ਚ /  
ਚੁਟ ਪੈਰੇਵਤਨੈ / ਸ਼ੁਮਹੀਫੀ / ਕੁਝ ਹੱਲ ਨੈ  
ਗਭੁਰਭੁਰ ਇਸਾਘਾਮੈ / ਹਾਂਖੁ ਧੁੰਖੁ ਧਕੁੰਖੁ ਅਵਸ਼ੰਸਨੈ /  
ਧਕੁੰਖੁ ਗਤੀ ਚ / ਸੁਝੁ ਕਿਰਕਾਸੀ / ਓਹੁ ਵਹੀਨੈ /  
ਵਹੀਨੈ / ਵਹੁ / ਵਹੀਨਾ /

କୁର୍ଦ୍ଦମ୍: ସ୍ୟାତନୋ: ।

ଉତ୍ତାଦିନ୍ୟ: ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତେ କା ପରସ୍ମୀପଦେ ହୁଏ

ନ ଦେଖିଲାମା:

ପ୍ରତିକାରି - ପ୍ରତିକାରି - ପ୍ରତିକାରି - ପ୍ରତିକାରି : ପାଇବାରେ ପାଇବାରେ

१०८५४ वर्षात् अंडानकारमान् ।  
वर्षायति, वर्षायति ।

ପାତିଶିଳ୍ପ, ପାତିଲ୍ପନ୍ତ, କରନ୍ତାମ୍, ଅନ୍ତର୍ଜାମ୍, ପାତି, ଅନ୍ତର୍ଦୀପ୍, ଅନ୍ତର୍ଦେଶ୍

~~428746~~ 3 428746 37918746, 37918746 |

अग्र लिपि के परम्परा द्वारा अनुसारी शब्दों के उत्तराधिकारी शब्दों का अवधारणा  
के लिए लिपि के परम्परा द्वारा अनुसारी शब्दों के उत्तराधिकारी शब्दों का अवधारणा  
के लिए लिपि के परम्परा द्वारा अनुसारी शब्दों के उत्तराधिकारी शब्दों का अवधारणा